वीर सुरेन्द्रसाय

बहुत दिनों की बात है। संबलपुर के पास एक गाँव है खिंडा। वहाँ राजघराने के कुछ लोग रहते थे। उनके बच्चे बड़े साहसी थे। खेल-खेल में समरकला सीख लेते थे। वे तलवार, भाला, धनुष-बाण आदि अच्छी तरह चला लेते थे। वे सबके सब समरकला में कुशल थे। उनमें से एक लड़का बड़ा ही होनहार था। सभी लड़के उससे बहुत प्रेम करते थे। उसको अपना नेता मानते थे। उसका निशाना सबसे तेज और अचूक होता था। एक बच्चे ने उससे पूछा- ''सुरेन चच्चा! तुम्हारे बाण बड़े तेज हैं। लेकिन क्या होगा ? तुम जिन अत्याचारी गोरी पलटन से लड़ना चाहते हो उनके पास तोप और बंदूकें हैं। उनकी तोप और बंदूकें मीलों तक आग उगलती हैं। ऐसे में तुम्हारे ये बाण क्या काम आएँगे ?''

यह लड़का था सुरेन्द्रसाय। उसने अपने भतीजे से कहा, ''हमारे बाण तोपों से भी तेज हैं, क्योंकि तोप की आग को पैदा करती है काली बारूद, वह जलकर बूझ जाती है। मगर हमारे दिलों में प्रेम की उज्ज्वल आग है। वह हमारे

बाणों के फलकों में बैठकर दुश्मनों को जला देगी। वह कभी बुझेगी नहीं। कभी नहीं। तुम लोग मेरे साथ रहो तो हम सब मिलकर अंग्रेजों को हमारी मिट्टी से भगा देंगे। बच्चे बड़े हुए। तब एक बड़ी घटना घटी। संबलपुर के राजा के कोई बेटा नहीं था । अंग्रेज शासकों ने उनका पोष्यपुत्र ग्रहण करने का अधिकार छीन लिया।

उन्होंने किसी दूसरे को राजा बनाना चाहा। सुरेन्द्रसाय राजघराने के निकट संबंधी थे। लेकिन अंग्रेजों ने किसी दूसरे को राजा बनाया । क्योंकि वे उस राजा के जरिए अपना कब्जा जमाना चाहते थे। धीरे-धीरे उनका अत्याचार बढ़ा। लोग बड़े परेशान थे। उन्होंने सुरेन्द्र से कुछ करने को कहा। सुरेन्द्र ने अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा बनाया। गाँव-गाँव में घूमकर लड़ाकू जवानों को एकजुट किया और जहाँ-तहाँ अंग्रेजों से मुकाबला करना शुरू कर दिया। लोगों ने उनका भरपूर साथ दिया। सुरेन्द्रसाय अंग्रेजों की छाती पर मूँग दलने लगे। अंग्रेजों ने अपनी फौज की ताकत बढ़ा दी। अंग्रेज पलटन की कई कंपनियाँ संबलपुर आईं। लोकिन सुरेन्द्र के साथी अपूर्व वीरता के साथ लड़ते रहे। अंग्रेज उन्हें हराने में नाकामयाब रहे। फिर उन्होंने कपट का रास्ता अपनाया और सुरेन्द्रसाय को गिरफ्तार कर लिया। वे जेल भेज दिये गये। सुरेन्द्र तीन साल बाद जेल से छूटे। लेकिन अंग्रेजों ने उन्हें फिर पकड़ लिया क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं सुरेन्द्र जनता को अपने साथ लेकर फिर से आंदोलन छेड़ दें तो

क्या होगा ? इसलिए उन्हें फिर से जेल भेज दिया गया। वे जेल में अठारह साल रहे। ऐसे देशप्रेमी वीर का जेल में निधन हो गया।

भारत वर्ष के जिन वीरों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ाई की, उनमें सुरेन्द्रसाय अगुवा थे। यह जानकर कि अंग्रेजों के पास गोले-बारूद का बड़ा भंडार है, ये वीर डरते नहीं थे।

शिक्षक के लिए :

शिक्षक छात्रों को देश की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से पहले की स्थिति तथा लार्ड डलहौजी के कानून के बारे में बताएँगे, जिससे दत्तक पुत्र ग्रहण करने वाले राजा अपने राज्य पर अधिकार खो बैठते थे । शिक्षक प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन के समय सशस्त्र लड़ाई में भाग लेनेवाले कुछ देशप्रेमियों के कार्यों का उल्लेख करके उनका ध्यान वीर सुरेन्द्रसाय की ओर आकर्षित करेंगे ।

शब्दार्थ:

समर-कला	=	युद्ध-कला
होनहार	=	बुद्धिमान
निशाना	=	लक्ष्य
पलटन	=	बाहर निकलना
उगलना	=	सेना
दुश्मन	=	शत्रु
राजघराना	=	राजवंश
खिलाफ	=	विरुद्ध
लड़ाकू	=	लड़नेवाला
मुकाबला	=	सामना
फौज	=	सैनिक
गिरफ्तार	=	बन्दी
निधन	=	मृत्यु
हुकूमत	=	शासन

अनुशीलनी

१. इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप से दीजिए :

क) होनहार लड़के का नाम क्या था ?

ख) सुरेन्द्र के बाण कैसे थे ?

ग) किसके कोई बेटा नहीं था ?

घ) सुरेन्द्र ने अंग्रेजों के खिलाफ क्या बनाया ?

ङ) सुरेन्द्र अंत में कितने साल जेल में रहे ?

च) सुरेन्द्र की कहाँ मृत्यु हुई ?

२. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

क) सुरेन्द्रसाय कहाँ के रहनेवाले थे ?

ख) वे किस घराने के निकट संबंधी थे ?

ग) सुरेन्द्र का निशाना कैसा था ?

घ) अंग्रेज सरकार कैसी थी ?

ङ) सुरेन्द्रसाय को अंग्रेजों ने कैसे पकड़ा ?

३. नीचे लिखे वाक्यों के खाली स्थानों को भरिए :

क) — के पास एक गाँव है खिंडा ।

(बलांगीर, सुन्दरगड़, संबलपुर)

ख) अंग्रेजों ने — का रास्ता अपनाकर सुरेन्द्रसाय को गिरफ्तार कर लिया । (अहिंसा, संधि, कपट)

ग) सुरेन्द्रसाय जेल में कुल — साल रहे ।

(१८, ८, २८)

भाषा - कार्य

४. इन शब्दों के अर्थ लिखिए :

समर	उज्ज्वल
कला	फलक
होनहार	संबंधी
निशाना	पोष्यपुत्र
अत्याचारी	मोर्चा

(उजला, कौशल, युद्ध, गोद लिया हुआ पुत्र, सेना, रिश्तेदार, लक्ष्य, अन्यायी, नोक, बुद्धिमान)

५. इन शब्दों से वाक्य बनाइए :

पलटन, अपूर्व, देहांत, कपट, गिरफ्तार, लड़ाई, अत्याचार, अधिकार, संबंधी, खिलाफ ।

६. पढ़िए और लिखिए :

तलवार, भाला, धनुष-बाण, तोप, बारूद, बर्छा, बंदूक

७. विलोम शब्द लिखिए:

जैसे - कुशल - अकुशल

शिक्षित-	दिन-
नीति-	उजाला-
प्रेम-	निकट-
गोरी-	दुश्मन-

८. ‘क‘ स्तंभ के शब्दों के साथ ‘ख‘ स्तंभ के उपयुक्त शब्द जोड़िए:

‘क‘	‘ख‘
होनहार	साहसी
काली	जवान
अपूर्व	पलटन
बड़े	बारूद
उज्ज्वल	वीरता
अचूक	लड़का
गोरी	आग
लड़ाकू	निशाना